भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. **3319** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 8 अगस्त, 2025/ 17 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है

हरित हाइड्रोजन चालित जहाज

†3319. श्री केसिनेनी शिवनाथ:

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में हरित हाइड्रोजन ईंधन सेल द्वारा संचालित नौकाओं और अंतर्देशीय / तटीय जहाजों सहित कुल कितने जहाज हैं और इनमें से कितने स्वदेश में निर्मित और डिज़ाइन किए गए हैं;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान हाइड्रोजन-संचालित जहाजों के विकास, परीक्षण और तैनाती में निवेश के लिए सरकार द्वारा आवंटित, वितरित और उपयोग की गई कुल धनराशि कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने विभिन्न आकार और प्रकार के अन्य हाइड्रोजन-ईंधन वाले जहाजों के लिए अतिरिक्त पायलट परियोजनाओं को मंजूरी दी है या शुरू करने की योजना बना रही है, यदि हाँ, तो इसके लिए समय-सीमा और स्थान क्या हैं;

(घ) प्रमुख बंदरगाहों पर हाइड्रोजन बंकरिंग, ईंधन भरने की सुविधाओं जैसे सहायक बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है और इसके लिए आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन में हरित हाइड्रोजन जहाजों को एकीकृत करने के लिए कोई रोडमैप तैयार किया है, यदि हाँ, तो उसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क) से (ङ): कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने हाइड्रोजन ईंधन सेल द्वारा संचालित एक-एक जलयान का निर्माण किया है। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के तहत शिपिंग क्षेत्र में हरित हाइड्रोजन के उपयोग के लिए प्रायोगिक परियोजनाओं के कार्यान्वयन हेतु योजना दिशानिर्देश फरवरी, 2024 में जारी किए गए हैं, जिनका परिव्यय 2025-26 तक 115 करोड़ रुपये है। शिपिंग क्षेत्र में हाइड्रोजन के उपयोग के लिए व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के विकास/चयन/सत्यापन हेतु सहायता प्रदान करने की योजना के अंतर्गत प्रमुख क्षेत्र निम्नानुसार हैं:

i) घटक क: मौजूदा पोतों को हरित हाइड्रोजन या उसके व्युत्पन्नों से चलाने के लिए रेट्रोफिटिंग। इस योजना के लिए योजना कार्यान्वयन एजेंसी भारतीय नौवहन निगम है।

ii) घटक ख: हरित हाइड्रोजन आधारित ईंधन के लिए पोतों पर बंकरिंग और ईंधन भरने की सुविधाओं का विकास। इस योजना के लिए योजना कार्यान्वयन एजेंसी वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण (वीओसीपीए) (तूतीकोरिन पत्तन) है।

प्रतिष्ठान चरण (2024-2025) के दौरान, दीनदयाल पत्तन प्राधिकरण (डीपीए), वी.ओ. चिदंबरनार पत्तन प्राधिकरण (वीओसीपीए) और पारादीप पत्तन प्राधिकरण (पीपीए) की पहचान ग्रीन हाइड्रोजन हब के रूप में की गई है। वीओसीपीए ने 750 घन मीटर ग्रीन मेथनॉल क्षमता वाली बंकरिंग और ईंधन भरने की सुविधा के विकास से संबंधित एक प्रायोगिक परियोजना के लिए एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की है।

*****